



लेखक: जी. एम. सोलंकी

(Author: G. M. Solanki)

WhatsApp **9981878283**

agriNow

agriNow

# मटर फसल का संपूर्ण ज्ञान।

**RECORD PRODUCTION  
FOR RIGHT KNOWLEDGE**

## प्रमुख बातें Services:

- ✓ उन्नत बीज और बुवाई की विधि
- ✓ सिंचाई व खाद प्रावधान।
- ✓ रोग व कीटों से सुरक्षा का संपूर्ण ज्ञान।
- ✓ अगेती मटर फसल के लिए जरूरी जानकारी।

सपेशल किसान के लिए !



Agriknow



**मटर की उन्नत खेती: सम्पूर्ण वैज्ञानिक मार्गदर्शिका**  
आधुनिक विज्ञान और अनुभवी किसानों की सलाह का सटीक तालमेल

# मटर फसल का सम्पूर्ण ज्ञान

**लेखक: GM SOLANKI**

**(किसान – Agri-Researcher)**

"अनुभवी किसान की सलाह और आधुनिक विज्ञान के सटीक तालमेल पर आधारित ई-बुक"

# बम्पर पैदावार के 5 मुख्य चरण



## विषय सूची (Index)

### आधारशिला: बीज का सही चुनाव

#### किस्में (क्षेत्र के अनुसार)

अगेती, मध्यम और पछेती किस्मों (जैसे: आर्केल, पूसा प्रगति, GS-10) का चयन अपने क्षेत्र की जलवायु के अनुसार करें।

#### प्रमाणित बीज ही क्यों?

प्रमाणित (Certified) बीज अधिक अंकुरण दर और बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता सुनिश्चित करते हैं।

#### ⚠ किसान टिप

बीज खरीदने से पहले पैकेट पर उत्पादन तिथि और समाप्ति तिथि (Expiry Date) की जांच अवश्य करें।



## अध्याय 1: बीज का सही चुनाव

मटर की खेती का महत्व और किस्में (अगेती, मध्यम, पछेती)  
अपने क्षेत्र के लिए सही किस्म (जैसे: आर्केल, पूसा प्रगति, GS-10)  
बीज की गुणवत्ता: प्रमाणित (Certified) बीज क्यों खरीदें  
पैकेट पर उत्पादन और समाप्ति तिथि की जांच

## अध्याय 2: खेत की तैयारी

मिट्टी का चुनाव और गहरी जुताई के फायदे  
पाटा लगाकर खेत को समतल करना (सिंचाई में आसानी)  
खरपतवार नियंत्रण के लिए जुताई का महत्व  
सिंचाई के लिए क्यारी और मेड़ बनाना

## सिंचाई प्रबंधन: नमी का नाजुक खेल

मटर में हमेशा हल्की सिंचाई करें। अत्यधिक पानी से जड़ें सांस नहीं ले पातीं और फसल पीली पड़ जाती है।

A



### 🌸 फूल आने पर (क्रांतिक अवस्था 1)

इस समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। नमी की कमी से फूल झड़ने (Flower Drop) लगते हैं। बहुत हल्की सिंचाई करें।

B



### 🌱 फली और दाना भरने पर (क्रांतिक अवस्था 2)

जब फलियों में दाने बन रहे हों। इस समय सही नमी दानों का आकार, वजन और मिठास बढ़ाती है।

## अध्याय 3: बुवाई से पहले पोषण प्रबंधन

मिट्टी परीक्षण (Soil Testing) का महत्व  
जैविक खाद (गोबर, वर्मीकम्पोस्ट) का उपयोग

### मटर के लिए NPK का सही संतुलन:

(नाइट्रोजन कम, फॉस्फोरस और पोटैश ज्यादा क्यों?)

### सल्फर (Sulphur):

मटर में प्रोटीन और दानों की गुणवत्ता के लिए क्यों जरूरी है?

## अध्याय 4: बीज उपचार (सीड ट्रीटमेंट)

### सबसे महत्वपूर्ण: राइजोबियम कल्चर से उपचार

क्यों जरूरी है? (जड़ों में गांठें बनाने और नाइट्रोजन लेने के लिए)

### फफूंदनाशक (Fungicide) से उपचार:

जड़ गलन (Root Rot) और उकठा (Wilt) से शुरुआती बचाव

**PSB कल्चर:** फॉस्फोरस को उपलब्ध कराने में सहायक

## अध्याय 5: बुवाई की सही विधि और समय

मटर की बुवाई का सही समय (रबी सीजन - अक्टूबर/नवंबर)  
बुवाई की विधि: कतार में (सीड ड्रिल) बुवाई क्यों है सबसे अच्छी  
बीज की सही गहराई (जल्दी अंकुरण के लिए)  
प्रति एकड़ बीज की सही मात्रा (किस्म के अनुसार)

## अध्याय 6: सिंचाई प्रबंधन

मटर की फसल में हल्की सिंचाई का महत्व (ज्यादा पानी से नुकसान)

सिंचाई कब और कैसे करें (नमी की जांच)

## फसल की क्रांतिक अवस्थाएं:

फूल आने पर (Flower Drop से बचाने के लिए)  
दाना/फली भरने पर (दानों का वजन बढ़ाने के लिए)

## पोषण की कमी: पत्तियों से पहचानें और तुरंत सुधारें



### ● नाइट्रोजन (N)

💡 लक्षण: संपूर्ण पौधे का पीला पड़ना (विशेषकर यदि जड़ों में गांठें न हों)।

🔥 समाधान: हल्की मात्रा में यूरिया का छिड़काव।



### ● फॉस्फोरस (P)

💡 लक्षण: पौधे का विकास रुकना और पत्तों का रंग गहरा बैंगनी (Purple) हो जाना।

🔥 समाधान: NPK 00:52:34 का पानी में घुलनशील स्प्रे।



### ● पोटेशियम (K)

💡 लक्षण: पत्तों के किनारों का झुलसना या सूखना।

🔥 समाधान: NPK 00:00:50 का स्प्रे।

सल्फर (S) और जिंक (Zn) की कमी पर भी नज़र रखें। घुलनशील (Water Soluble) खादों के स्प्रे से परिणाम तुरंत मिलते हैं।

## अध्याय 7: पोषक तत्वों की कमी और पूर्ति

### लक्षण पहचानें और पूर्ति करें:

नाइट्रोजन (N): (अगर जड़ में गांठें न हों तो) -> हल्का यूरिया

फॉस्फोरस (P): विकास रुकना, पत्तों का बैंगनी होना -> NPK 00:52:34

पोटेशियम (K): पत्तों के किनारे झुलसना -> NPK 00:00:50

सल्फर (S) और जिंक (Zn) की कमी के लक्षण

पानी में घुलनशील (Water Soluble) खादों का स्प्रे

## अध्याय 8: रोग और कीट प्रबंधन

## 1. मिट्टी जनित रोग:

### उकठा (Wilt) और जड़ गलन (Root Rot)

जैविक निराकरण: ट्राइकोडर्मा

रासायनिक निराकरण: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (ड्रेन्चिंग)

## रोग प्रबंधन: मिट्टी और फंगस जनित रोग



### मिट्टी जनित रोग (उकठा व जड़ गलन)



- पहचान: अचानक हरा पौधा सूख जाना या जड़ों का गलना।
- जैविक निराकरण: ट्राइकोडर्मा (Trichoderma) का उपयोग।
- रासायनिक निराकरण: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की जड़ों में ड्रेन्चिंग (Drenching)।



### फंगस जनित रोग (भभूतिया व रस्ट)



- पहचान: पत्तियों और तनों पर सफेद पाउडर का जमना (मटर की सबसे मुख्य बीमारी)।
- जैविक निराकरण: खट्टी छाछ या नीम तेल का स्प्रे।
- रासायनिक निराकरण: घुलनशील सल्फर या टेबुकोनाजोल का छिड़काव।

## 2. फंगस रोग (पत्तियों पर):

भभूतिया/चूर्णी आसिता (Powdery Mildew) (मटर की मुख्य बीमारी)

रस्ट (Rust)

जैविक निराकरण: खट्टी छाछ, नीम तेल

रासायनिक निराकरण: घुलनशील सल्फर, टेबुकोनाजोल

## 3. कीट रोग:

फली छेदक (Pod Borer) (सबसे बड़ा दुश्मन)

माहू/चैपा (Aphids)

तना मक्खी (Stem Fly)

जैविक निराकरण: फेरोमोन ट्रैप, नीम तेल

रासायनिक निराकरण: इमामेक्टिन बेंजोएट (इल्ली), इमिडाक्लोप्रिड (माहू)

## अंतिम चरण: उन्नत तुड़ाई, कटाई और भंडारण

हरे मटर की तुड़ाई



फलियां जब पूरी तरह भर जाएं और उनका रंग गहरा हरा हो, तभी तुड़ाई करें। इससे बाजार में मिठास और सर्वाधिक कीमत मिलती है।

मशीनी कटाई



श्रेशर या हार्वेस्टर का उपयोग करते समय RPM सेटिंग कम रखें और 'क्रॉप लिफ्टर्स' का प्रयोग करें ताकि दाने टूटें नहीं।

सुरक्षित भंडारण



लंबे समय तक भंडारण के लिए दानों को अच्छी तरह धूप में सुखाएं। फंगस से बचने के लिए नमी का स्तर 10-12% तक लाना अनिवार्य है।

### अध्याय 9:

#### मटर की तुड़ाई और कटाई का उन्नत प्रबंधन

**हरे मटर:** फलियाँ पूरी तरह भरने और गहरा हरा रंग रहने पर ही तुड़ाई करें ताकि मिठास बनी रहे।

**मशीनी कटाई:** दाने टूटने से बचाने के लिए कम आरपीएम (RPM) सेटिंग और क्रॉप लिफ्टर्स का उपयोग करें।

**भंडारण:** लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए दानों को अच्छी तरह सुखाकर नमी 10-12% तक लाएं।

### अध्याय 10:

#### किसानों के सामान्य प्रश्न (FAQ)

## पत्तियां पीली क्यों पड़ रही हैं?

💧 अधिक पानी से जड़ें बंद हो गई हैं, या मिट्टी में सल्फर/नाइट्रोजन की कमी है।

## फूल क्यों झड़ रहे हैं?

🌸 फूल आते समय सिंचाई (नमी) की कमी या तापमान में अचानक बदलाव।

## जड़ों में गांठें क्यों नहीं?

🌱 बुवाई से पहले राइजोबियम कल्चर से बीज का उपचार (Seed Treatment) न करना।

## सफेद पाउडर / भभूतिया का इलाज?

🌫️ तुरंत पानी में घुलनशील सल्फर या जैविक नीम तेल का स्प्रे करें।

## यूरिया कब दें?

⚠️ केवल तभी दें जब जड़ों में राइजोबियम गांठें विकसित न हों, वह भी बहुत हल्की मात्रा में।

प्रश्न 1: मेरी मटर पीली क्यों पड़ रही है? (पानी ज्यादा या सल्फर/नाइट्रोजन की कमी)

प्रश्न 2: मटर के फूल क्यों झड़ रहे हैं?

प्रश्न 3: मटर की जड़ों में गांठें क्यों नहीं बन रही हैं? (राइजोबियम)

प्रश्न 4: भभूतिया (Powdery Mildew) रोग को कैसे कंट्रोल करें?

प्रश्न 5: फली छेदक (इल्ली) का क्या इलाज है?

प्रश्न 6: मटर में नाइट्रोजन (यूरिया) कब और कितनी देनी चाहिए?



## उत्तम फसल: केवल मेहनत नहीं, विज्ञान का परिणाम

मटर की सफल खेती सही समय पर लिए गए वैज्ञानिक निर्णयों का प्रतिफल है। बीज उपचार की सुरक्षा से लेकर संतुलित पोषण (NPK + Sulphur) और समय पर रोग नियंत्रण ही बम्पर पैदावार की एकमात्र कुंजी है।

ई-बुक "मटर फसल का सम्पूर्ण ज्ञान" पर आधारित — ज्ञान बांटें, उपज बढ़ाएं!